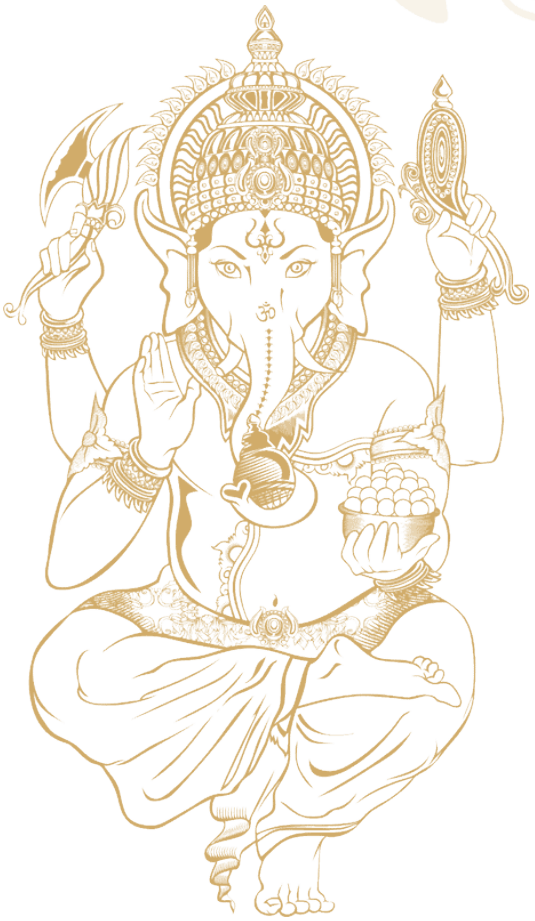

Jayshree

30 Nov 2001

08:10 PM

Mumbai

Model: web-freekundliweb

Order No: 121597704

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**30/11/2001**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**20:10:00 घंटे**
इष्ट	33:07:19 घटी
स्थान	**Mumbai**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	18:58:00 उत्तर
रेखांश	72:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:31:20 घंटे
वेलान्तर	00:11:21 घंटे
साम्पातिक काल	00:09:29 घंटे
सूर्योदय	06:55:04 घंटे
सूर्यास्त	17:59:42 घंटे
दिनमान	11:04:38 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	14:34:46 वृश्चिक
लग्न के अंश	16:01:58 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	शिव
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ओ-ओमवती
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	16:01:58	323:49:53	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			वृश्चि	14:34:46	01:00:47	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	मित्र राशि
चंद्र			वृष	11:25:21	13:17:52	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	मंगल	मूलत्रिकोण
मंगल			कुंभ	00:05:39	00:43:26	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
बुध		अ	वृश्चि	12:11:10	01:34:27	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	सम राशि
गुरु	व		मिथु	20:31:57	00:05:19	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	03:47:22	01:15:24	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	सम राशि
शनि	व		वृष	17:50:44	00:04:55	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	03:17:19	00:01:43	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	शुक्र	उच्च राशि
केतु	व		धनु	03:17:19	00:01:43	मूल	1	19	गुरु	केतु	सूर्य	उच्च राशि
हर्ष			मक	27:25:43	00:01:32	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप			मक	12:38:16	00:01:24	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	20:58:19	00:02:18	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	08:41:57	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:43

लग्न-चलित

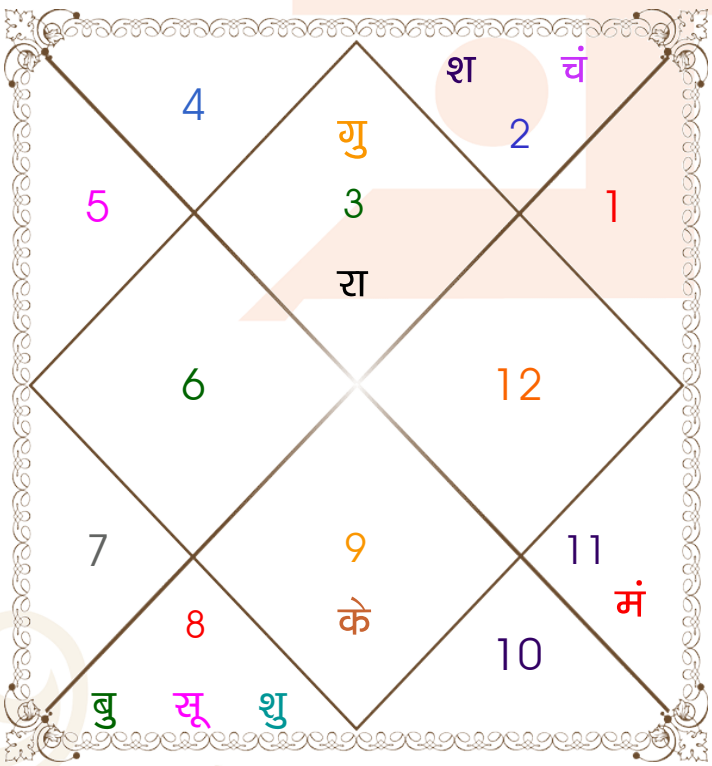

चन्द्र कुंडली

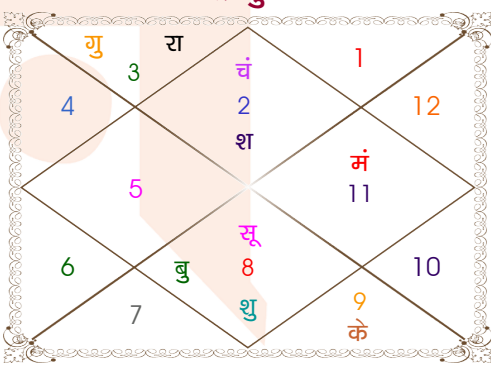

नवमांश कुंडली

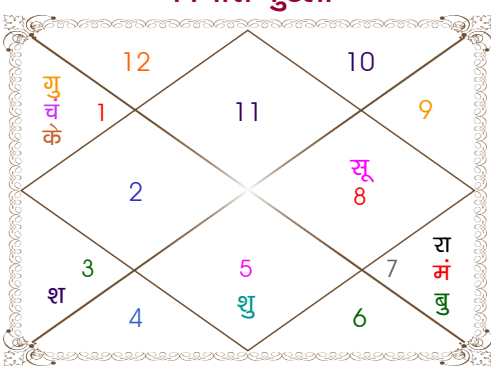

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 8 वर्ष 11 मास 6 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
30/11/2001		06/11/2010		06/11/2017		06/11/2035		06/11/2051	
06/11/2010		06/11/2017		06/11/2035		06/11/2051		06/11/2070	
	30/11/2001	मंगल	04/04/2011	राहु	19/07/2020	गुरु	25/12/2037	शनि	09/11/2054
मंगल	07/04/2002	राहु	22/04/2012	गुरु	13/12/2022	शनि	07/07/2040	बुध	19/07/2057
राहु	07/10/2003	गुरु	29/03/2013	शनि	19/10/2025	बुध	13/10/2042	केतु	28/08/2058
गुरु	05/02/2005	शनि	08/05/2014	बुध	07/05/2028	केतु	19/09/2043	शुक्र	28/10/2061
शनि	06/09/2006	बुध	05/05/2015	केतु	26/05/2029	शुक्र	20/05/2046	सूर्य	10/10/2062
बुध	06/02/2008	केतु	01/10/2015	शुक्र	25/05/2032	सूर्य	08/03/2047	चंद्र	10/05/2064
केतु	06/09/2008	शुक्र	30/11/2016	सूर्य	19/04/2033	चंद्र	07/07/2048	मंगल	19/06/2065
शुक्र	08/05/2010	सूर्य	07/04/2017	चंद्र	19/10/2034	मंगल	13/06/2049	राहु	25/04/2068
सूर्य	06/11/2010	चंद्र	06/11/2017	मंगल	06/11/2035	राहु	06/11/2051	गुरु	06/11/2070

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
06/11/2070		06/11/2087		06/11/2094		07/11/2114		07/11/2120	
06/11/2087		06/11/2094		07/11/2114		07/11/2120		00/00/0000	
बुध	04/04/2073	केतु	04/04/2088	शुक्र	08/03/2098	सूर्य	25/02/2115	चंद्र	07/09/2121
केतु	01/04/2074	शुक्र	04/06/2089	सूर्य	08/03/2099	चंद्र	26/08/2115	मंगल	01/12/2121
शुक्र	30/01/2077	सूर्य	10/10/2089	चंद्र	07/11/2100	मंगल	01/01/2116		00/00/0000
सूर्य	06/12/2077	चंद्र	11/05/2090	मंगल	07/01/2102	राहु	25/11/2116		00/00/0000
चंद्र	08/05/2079	मंगल	07/10/2090	राहु	07/01/2105	गुरु	13/09/2117		00/00/0000
मंगल	04/05/2080	राहु	25/10/2091	गुरु	08/09/2107	शनि	26/08/2118		00/00/0000
राहु	21/11/2082	गुरु	30/09/2092	शनि	07/11/2110	बुध	03/07/2119		00/00/0000
गुरु	26/02/2085	शनि	09/11/2093	बुध	07/09/2113	केतु	07/11/2119		00/00/0000
शनि	06/11/2087	बुध	06/11/2094	केतु	07/11/2114	शुक्र	07/11/2120		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 8 वर्ष 11 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति की हो जाएंगी। आप अपने पति पर प्रभुत्व जमाएंगी। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगी।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहती हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहती हैं। आप चाहती हैं कि आपके पति आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरे पति जीवन साथी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकती है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है।

मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से

कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए।

ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।